Literacy for a Billion

Movie: Mother India
Year: 1957

Song: Nagri Nagri Dware Dware
Lyricist: Shakeel Badayuni

नगरी नगरी द्वारे द्वारे
ढूँढूँ रे साँवरिया
नगरी नगरी द्वारे द्वारे
ढूँढूँ रे साँवरिया
पिया पिया रटके मैं तो
हो गई रे बावरिया

नगरी नगरी द्वारे द्वारे
ढूँढूँ रे साँवरिया

बेदर्दी बालम ने मोहे
फूँका ग़म की आग में
फूँका ग़म की आग में
बिरहा की चिंगारी भर दी
दुखिया के सुहाग में
दुखिया के सुहाग में
पल पल मनवा रोए
छलके नैनों की गगरिया
नगरी नगरी द्वारे द्वारे
ढूँढूँ रे साँवरिया

आई थी अँखियों में लेकर
सपने क्या क्या प्यार के
सपने क्या क्या प्यार के
जाती हूँ दो आँसू लेकर
आशाएँ सब हार के
आशाएँ सब हार के
दुनिया के मेले में लुट गई
जीवन की गठरिया

नगरी नगरी द्वारे द्वारे
ढूँढूँ रे साँवरिया

दर्शन के दो भूखे नैना
जीवन भर ना सोएँगे
जीवन भर ना सोएँगे
बिछड़े साजन तुम्हरे कारन
रातों को हम रोएँगे
रातों को हम रोएँगे
अब ना जाने रामा कैसे
बीतेगी उमरिया

नगरी नगरी द्वारे द्वारे
ढूँढूँ रे साँवरिया
पिया पिया रटके मैं तो
हो गई रे बावरिया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.